

Bhajan

from

CD-ROM

Amritvani

राम मुझे मधुर मिलन मिले तेरा

राम मुझे मधुर मिलन मिले तेरा ॥

मन मुख माया मुख बन मोही,
भरम में भटका बहुतेरा ॥ १ ॥

अशरण-शरण की चरण शरण में,
निश दिन बने बसेरा ॥ २ ॥

गाऊँ मैं राम राम मधुर धुन,
सब दिन सांझ सबेरा ॥ ३ ॥

तेरे मेल में मिल हो जायें,
'मैं' तेरा 'तू' मेरा ॥ ४ ॥

अब मुझे राम भरोसा तेरा

अब मुझे राम भरोसा तेरा ॥

मधुर महारस नाम पान कर,
मुदित हुआ मन मेरा ॥ १ ॥

दीपक नाम जगा जब भीतर,
मिटा अज्ञान अन्धेरा ॥ २ ॥

निशा निराशा दूर हुई सब,
आई शांत सबेरा ॥ ३ ॥

वन्दे रामं सच्चिदानन्दम्

वन्दे रामं सच्चिदानन्दम् ॥

परम पावनं प्रियतमरूपम् ।
परमेशं शुभ शक्ति स्वरूपम् ।
सर्वाधारं महा सुख कन्दम् ॥ १ ॥

शरणागत जन पालक शरणम् ।
विघ्नहरं सुख शांति करणम् ।
परं पदं मंगल अरविन्दम् ॥ २ ॥